- 19th Year
- Issue: 245
- 11.01.2026 (SUNDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

दुश्मन का मनोबल तोड़ने के लिए लड़ते हैं जंग-अजीत डोवाल

नयी दिल्ली १०/०१ (संवाददाता): राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित गति से भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, भले ही यह प्रक्रिया स्वचालित रूप से ही ज़्यों न चले। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित विकासित भारत युवा नेता संवाद में बोलते हुए, उन्होंने युवाओं से अपने निर्णय लेने के कौशल को मजबूत करने का आग्रह किया और कहा कि सभी क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करने के लिए सशक्त और समयबद्ध निर्णय ही कुंजी हैं।

डोवाल ने कहा कि मैं अपना बचपन भूल चुका हूं, और आपका बचपन इतना बदल गया है कि मुझे कई बातों का एहसास भी नहीं है। लेकिन एक बात हम दोनों में समान है- जब मैं युवा था और अब, मैंने देखा है कि एक चीज हमेशा आपके साथ रहती है...

वह है आपकी निर्णय लेने की क्षमता... भारत निश्चित रूप से विकसित होगा।

भारत उसी गति और रज़्तार से विकसित होगा जो प्रधानमंत्री मोदी ने निर्धारित की है। भले ही यह प्रक्रिया स्वचालित रूप से ही ज़्यों न चले, फिर भी यह विकसित होगा। डोवाल ने कहा कि लेकिन सवाल यह है कि इस विकसित भारत का नेतृत्व कौन करेगा? वे कितने सक्षम होंगे? एक नेता की सबसे बड़ी ताकत सही निर्णय लेना होता है। वे समय पर निर्णय लेते हैं और उन निर्णयों को पूर्ण विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ लागू करते हैं।

इसलिए यदि आप विकसित भारत के नेता बनना चाहते हैं, चाहे वह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा जैसे किसी भी क्षेत्र में हो, आपको निर्णय लेने होंगे, और आपको अभी से ही इस निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करना होगा।

डोवाल ने कहा कि किसी राष्ट्र की सच्ची शक्ति उसकी इच्छाशक्ति होती है, और युद्ध हिंसा के लिए नहीं, बल्कि शत्रु का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं।

उन्होंने पिछले दशक में दृढ़ प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से देश को तीव्र प्रगति की ओर ले जाने के लिए भारत के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आप अपनी इच्छाशक्ति बढ़ा सकते हैं। वही इच्छाशक्ति राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है। हम युद्ध ज़्यों लड़ते हैं?

हम मनोरोगी नहीं हैं जिन्हें शत्रु के शवों, लाशों और कटे अंगों को देखकर अत्यधिक संतुष्टि या आनंद मिलता है। युद्ध इसलिए नहीं लड़े जाते। युद्ध किसी राष्ट्र का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी इच्छा के अनुसार आत्मसमर्पण कर दे और हमारी शर्तें मान ले, जिससे हम अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकें... राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए ही युद्ध लड़े जाते हैं।

डोवाल ने कहा कि आज भी, हो रहे सभी युद्धों और संघर्षों को देखिए; कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं, और इसके लिए वे बल का प्रयोग करते हैं। यदि आप इतने शक्तिशाली हैं कि कोई आपका विरोध नहीं कर सकता, तो आप हमेशा स्वतंत्र रहेंगे।

लेकिन यदि आपके पास सब कुछ है, लेकिन मनोबल नहीं है, तो आपके सभी हथियार और संसाधन बेकार हो जाएंगे, और इसके लिए नेतृत्व की आवश्यकता होती है। आज हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है। एक ऐसा नेतृत्व जिसने 10 वर्षों में देश को उस स्थिति से आज की स्थिति तक पहुंचाया है, और इसे तीव्र प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। उनकी प्रतिबद्धता, उनकी मेहनत और उनका पूर्ण समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है।

राउरकेला में इंडियावन एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट समेत 8 घायल

राउरकेला १०/०१ (संवाददाता): शनिवार को ओडिशा के राउरकेला हवाई पट्टी के पास जलदा ज़्लॉक में छह यात्रियों को ले जा रहा नौ सीटों वाला विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विमान भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। राउरकेला से इंडियावन एयर की उड़ान संचालित कर रहे इस विमान में उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद खराबी आ गई और यह हवाई पट्टी के पास गिर गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय चार्ली-208 विमान में दो पायलट सवार थे। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि यात्रियों और पायलटों को चोटें आई हैं।दुर्घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। चालक दल के सभी सदस्य और यात्री खतरे से बाहर बताए गए। राउरकेला और पनपोश अग्निशमन केंद्रों से भी दमकल कर्मियों को बचाव कार्य में सहायता के लिए बुलाया गया। घायल पायलटों की पहचान कैप्टन नवीन

कडांगा और सह-पायलट तरुण श्रीवास्तव के रूप में हुई है। घायल यात्रियों में सुशांत कुमार बिवाल, अनीता साहू, सुनील अग्रवाल और सबिता अग्रवाल शामिल हैं।विमान राउरकेला से लगभग 10 किलोमीटर दूर जलदा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इसके मद्देनजर, प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा उपाय और सहायता व्यवस्थाएं लागू कर दी हैं। भुवनेश्वर हवाई अड्डे के निदेशक प्रसन्ना प्रधान ने घटना की पुष्टि की। वहीं, राज्य के परिवहन मंत्री बीबी जेना ने भी बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर हैजेना ने बताया कि यात्रियों को ले जा रहे एक ए-1 नौ-सीटर निजी विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। यह दुर्घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जलदा में हुई। ईश्वर की कृपा से यह कोई बड़ी दुर्घटना नहीं है।

संभावित कारण विमान की यांत्रिक खराबी है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि यह राउरकेला और भुवनेश्वर के बीच एक निजी ऑपरेटर द्वारा संचालित नियमित उड़ान थी। दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी।

ओडिशा के नौ आईटीआई में एआई प्रयोगशालाए स्थापित की जाएंगी-माझी

१०/०१ (संवाददाता): ओडिशा के मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के नौ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं। माझी ने 'ओडिशा कौशल प्रतियोगिता 2025-26' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कुल 47 आईटीआई को उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। मुज़्यमंत्री ने उल्लेख किया कि ओडिशा में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कौशल हासिल करने और राज्य में रोजगार प्राप्त करने का आह्वान किया।माझी ने कौशल प्रतियोगिता में उज़्दा प्रदर्शन के लिए 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 53 विद्यार्थियों को रजत

पदक और 50 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान करते हुए कहा, ऐसा इसलिए है ज़्योंकि हमारा लक्ष्य सभी स्तरों पर उत्कृष्टता प्राप्त करना है। स्वर्ण पदक विजेताओं को 25,000 रुपये, रजत पदक विजेताओं को 20,000 रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। माझी ने कहा, राज्य के दीर्घकालिक विकास व आर्थिक प्रगति के लिए कौशल आवश्यक हैं। जो व्यक्ति अधिक कुशल होता है, वह अधिक आत्मविश्वासी होता है। राज्य को 2036 तक समृद्ध ओडिशा और 2047 तक विकसित भारत केसपने को साकार करने के लिए कुशल युवाओं की आवश्यकता है। अगर युवाओं का भविष्य उज्ज्वल है, तो ओडिशा का भविष्य भी उज्ज्वल होगा।उन्होंने कहा कि राज्य के औद्योगीकरण के तीन मुज़्य स्तंभ अवसंरचना, अनुकूल वातावरण और कुशल श्रमिक हैं। मुज़्यमंत्री ने कहा कि पिछले 18 महीनों में 6.15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें 2.64 लाख रोजगार सृजित करने की क्षमता है।

संपूर्ण हिंदू समाज एक है, कोई भेदभाव नहीं-मोहन भगवत

मथुरा १०/०१ (संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को मथुरा के वृंदावन में आयोजित सनातन संस्कृति महोत्सव में भाग लेते हुए हिंदू समुदाय में एकता का आह्वान किया और कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि भले ही दुनिया हिंदू समुदाय को जाति, धर्म, संप्रदाय और भाषा के आधार पर विभाजित देखती हो, लेकिन वे सभी एक हैं।भगवत ने कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम जिस समाज में रहते हैं उसे एक मानते हैं; हमारा मानना ?? है कि पूरा हिंदू समाज एक है, फिर भी दुनिया इसमें भाषा, जाति, संप्रदाय और समुदाय जैसे कई विभाजन देखती है। दुनिया जितने प्रकार के हिंदुओं को पहचानती है, मेरे उन सभी प्रकारों के मित्र हैं - हम एक-दूसरे से मिलने जाते हैं, साथ खाते-पीते हैं, सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं, उन्हें

मित्र मानते हैं। इससे पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने 1 जनवरी को छज़ीसगढ़ के रायपुर स्थित श्री राम मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। बुधवार को आरएसएस के शताज़्दी समारोह के अवसर पर भगवत ने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में हिंदू सज़्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अवसर को वीरता का कार्य नहीं, बल्कि जिज़्मेदारी का क्षण समझना चाहिए। यहां एक हिंदू सज़्मेलन को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि संघ के कार्य के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, इसलिए देशभर में हिंदू सज़्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना 12 से 16 जनवरी तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी

लक्षद्वीप १०/०१ (संवाददाता): भारतीय नौसेना अपने स्वास्थ्य सेवा विस्तार और नागरिक-सैन्य सहयोग कार्यक्रमों के तहत 12 से 16 जनवरी तक केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी। यह जानकारी शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। पांच-दिवसीय इस शिविर का उद्घाटन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी करेंगे।

शिविर का उद्देश्य केंद्रशासित प्रदेश के वासियों को विशेषज्ञ परामर्श, उपचार सेवाएं और मोतियाबिंद सर्जरी सहित विभिन्न तरह की शल्य चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कराना है। यह पहल नौसेना दिवस के

तहत लक्षद्वीप में मौजूदा स्वास्थ्य अवसंरचना को सहयोग और सुदृढ़ करने के लिए नौसेना के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

शिविर के उद्घाटन समारोह में नौसेना की दक्षिणी कमान के ज़्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सज़्सेना, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन और नौसेना चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय सहित नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

ममता बनर्जी का चुनाव आयोग पर सीधा प्रहार

कोलकाता १०/०१ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इस अभियान की आड़ में राज्य में जो कुछ हो रहा है, वह आम नागरिकों की गरिमा, आजीविका और संवैधानिक अधिकारों पर एक खतरनाक हमला है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया डराने-धमकाने और बहिष्कार करने का एक साधन बन गई है। मुज़्यमंत्री ने मुज़्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस मिलने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे संस्थागत अहंकार पूरी तरह उजागर हो गया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर सेन जैसी दिग्गज हस्तियों को बज़्शा नहीं जाता है तो गरीब, प्रवासी मजदूर, दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं जैसी आम जनता किन समस्याओं से जूझ रही होंगी। उन्होंने कहा कि सुनवाईयां यंत्रवत, बिना सहानुभूति, बिना सोचे-समझे और बिना मानवीय वास्तविकता के प्रति संवेदनशीलता के संचालित की जा रही हैं। इसके परिणाम विनाशकारी रहे हैं, जिनमें 77 मौतें, आत्महत्या के प्रयास, अस्पताल में भर्ती होना शामिल हैं, ये सभी एक अनियोजित, जबरदस्ती की प्रक्रिया से उत्पन्न भय, घबराहट और चिंता से जुड़े हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर हमला करते हुए बनर्जी ने कहा कि सर्वोच्च चुनाव निकाय अपने संवैधानिक दायित्व से खतरनाक रूप से भटक रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भय से कायम नहीं रहता, और साथ ही यह भी जोड़ा कि मतदाता सूचियों को जबरदस्ती से शुद्ध नहीं किया जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र की पवित्रता बहाल होने की उज़्मीद जताते हुए कहा संवैधानिक अधिकारियों को जवाबदेही से परे तानाशाहों जैसा व्यवहार करके सज़्मान नहीं मिलता।

भदेरवाह में बर्फबारी के बाद उमड़ा सैलानियों का सैलाब, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

श्रीनगर १०/०१ (संवाददाता):जज़्मू संभाग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भदेरवाह में साल की पहली बड़ी बर्फबारी ने पूरी घाटी को चांदी जैसी सफेद चादर से ढक दिया है। पहाड़ों की चोटियों से लेकर रिहायशी इलाकों तक, हर तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। ताज़ा बर्फबारी के बाद जाई घाटी, पादरी पास, और गुल्डांडा जैसे इलाकों में करीब 1 से 2 फीट तक बर्फ जमा हो गई है। भदेरवाह शहर में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई है, जिससे पूरा नज़ारा किसी फिल्मी सीन जैसा लग रहा है।

जज़्मू और कश्मीर के डोडा जिले में बर्फबारी के बाद पर्यटन स्थलों पर पिछले पखवाड़े में पर्यटकों की भारी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भद्रवाह-पठानकोट राजमार्ग पर स्थित चज़रगल्ला (11,000 फुट), पंज नाला (10,200 फुट) और गुलदांडा (9,555 फुट) सहित लोकप्रिय उच्च ऊंचाई वाले घास के मैदानों पर सुरक्षा कर्मियों की स्पष्ट तैनाती का उद्देश्य पर्यटकों का विश्वास बढ़ाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखना है।

उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बावजूद, जज़्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अर्धसैनिक बलों की मजबूत उपस्थिति के साथ ही स्थानीय आतिथ्य सत्कार ने प्रारंभिक आशंकाओं को दूर करने में मदद की है। इससे पर्यटक प्राकृतिक दृश्यों और बर्फ के साथ खेलने जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। पुलिस अधीक्षक विनोद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया,

''भद्रवाह सबसे खूबसूरत स्थलों में से एक है और बड़ी संज़्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है।

हालांकि, घाटी के आसपास के ऊंचे पहाड़ों में भारी बर्फबारी से सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा होती हैं, ज़्योंकि पर्यटक बर्फ से ढके घास के मैदानों और दर्रों में जाने का जोखिम उठाते हैं, खासकर भद्रवाह-पठानकोट राजमार्ग और भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क के किनारे।''

उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बर्फबारी और बेहद खराब मौसम की स्थिति के बावजूद सुरक्षा बल पर्यटकों के लिए उच्च ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों में सुरक्षा कवच प्रदान कर रहे हैं ताकि वे पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सकें। शर्मा ने बताया कि पर्यटक चौबीसों घंटे की सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय विक्रेताओं द्वारा प्रदान किए गए आतिथ्य सत्कार की भी सराहना कर रहे हैं। महाराष्ट्र से आए पर्यटक विशाल शर्मा ने कहा, ''यहां आने से पहले हमें सुरक्षा को लेकर थोड़ी आशंका थी, लेकिन गुलदांडा पहुंचने और चज़रगल्ला दर्रे का भ्रमण करने के बाद हमारी सारी चिंताएं दूर हो गईं।

बर्फ से ढके इन दर्रों पर पुलिस की मौजूदगी शानदार है, जिससे हमें भरपूर आनंद लेने का मौका मिला। स्थानीय लोगों के गर्मजोशी भरे आतिथ्य सत्कार ने हमारी यात्रा को वास्तव में यादगार बना दिया है, और हम निश्चित रूप से भद्रवाह दोबारा आना चाहेंगे।'' गुलदांडा के विक्रेता संघ के अध्यक्ष यासिर वानी के अनुसार, पहली बर्फबारी के बाद पिछले 15 दिनों में 19000 से अधिक पर्यटक इस स्थान पर आ चुके हैं। इस बीच, भाद्रवाह के निवासियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों ने केंद्र सरकार द्वारा मथोला गांव से विशाल कैलाश कुंड ग्लेशियर की तलहटी में स्थित 12,500 फीट ऊंचे सियोज धार तक रोप वे बनाने की घोषित योजना का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मथोला से सियोज धार तक रोपवे पर अद्यतन जसनकारी। संबंधित अधिकारियों के साथ दिन-प्रतिदिन के जानकारी के बाद, राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिज़्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) ने डीपीआर के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं और जनवरी के अंत तक निविदा जारी किए जाने की संभावना है, ताकि अगले चार महीनों में अध्ययन पूरा हो सके और उसके बाद काम का क्रियान्वयन शुरू किया जा सके।'' भद्रवाह में 17 और 19 जनवरी को गुलदांडा और न्यू बस स्टैंड भद्रवाह में दो दिवसीय शीतकालीन उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां की जा रही हैं।

विविध समाचार

लाल आतंक को बड़ा झटका! छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 63 नक्सलियों का सरेंडर, 36 इनामी नक्सलियों पर था करोड़ों का इनाम

दंतेवाड़ा १०/०१ (संवाददाता): छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को दंतेवाड़ा जिले में 63 नक्सलियों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों में 18 महिला कैडर भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन 63 नक्सलियों में से 36 नक्सली ऐसे थे, जिन पर सरकार ने कुल 1.19 करोड़ रुपये का सामूहिक इनाम घोषित कर रखा था। इन नक्सलियों ने पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने अपने हथियार डाले।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि विश्वास, परिवर्तन और नए जीवन की ओर सार्थक कदम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में जारी नक्सल विरोधी मोर्चे पर सुरक्षाबलों को शुक्रवार को महत्वपूर्ण सफलता मिली जब पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) अभियान से प्रभावित होकर 36 इनामी समेत 63 माओवादी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण

करने वाले माओवादियों में 18 महिलाएं हैं।अधिकारियों का कहना है कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी दक्षिण बस्तर, पश्चिम बस्तर, अबूझमाड़ और ओडिशा में सक्रिय थे। उनमें 36 माओवादियों पर एक करोड़ 19 लाख 50 हजार का इनाम घोषित था। अधिकारियों के अनुसार माओवादियों के आत्मसमर्पण करने के समय केंद्रीय रिवर्ज पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उप महानिरीक्षक राकेश चौधरी, दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।इसे भी पढ़ें- जम्मू-कश्मीर- गणतंत्र दिवस से पहले बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए हथियारों का जखीरा बरामद

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में डिविजनल कमेटी सदस्य और कालाहांडी एरिया कमेटी सचिव पाकलू उर्फ रैनू (45), पश्चिम बस्तर डिवीजन छात्र संगठन अध्यक्ष मोहन उर्फ संजय (32), भैरमगढ़ एरिया कमेटी सचिव सुमित्रा उर्फ द्रोपती (30), मिलिट्री कंपनी नंबर 10 की सदस्य हुंगी उर्फ अंकिता (28), कंपनी नंबर एक सदस्य सुखराम ताती (20), कंपनी नंबर सात का सदस्य पांडू मड़काम (19) और सोमडू कड़ती उर्फ रिंकू (21) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी नक्सलियों पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सात अन्य नक्सलियों पर पांच-पांच लाख रुपये, आठ नक्सलियों पर दो-दो लाख रुपये, 11 नक्सलियों पर एक-एक लाख रुपये और तीन नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को 50-50 हजार रुपये की तत्काल सहायता प्रदान की जाएगी तथा सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माओवादियों के आत्मसमर्पण को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, शांति और विकास की दिशा में एक और सशक्त कदम, माओवाद के अंत से लिखा जाएगा बस्तर का स्वर्णिम कल। आज बस्तर के दंतेवाड़ा में पूना मारगेम ङ्क पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत 36 इनामी सहित कुल 63 माओवादियों, जिसमें 18 महिलाएं और 45 पुरुष शामिल हैं, ने हिंसा और भटकाव का मार्ग छोड़कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि विश्वास, परिवर्तन और नए जीवन की ओर सार्थक कदम है।

साय ने लिखा है, यह सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की स्पष्ट, बहुआयामी सुरक्षा एवं विकास रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से यह सिद्ध हुआ है कि बंदूक नहीं, संवाद और विकास ही स्थायी समाधान हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार की सटीक नीति और संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण के कारण आज नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। माओवादियों का प्रभावी विघटन हो चुका है और दंतेवाड़ा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी तेज़ी से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

बस्तर में अब शांति, सुशासन और विकास मिलकर एक स्वर्णिम कल की नींव रख रहे हैं। इससे पहले सात जनवरी को, सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। 2025 में राज्य में 1500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

हर समुदाय आत्मनिर्भर होगा तो देश भी होगा-अमित शाह

नयी दिल्ली १०/०१ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित सामुदायिक सभाएं देश को विभाजित करने के बजाय उसे मजबूत बनाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है। शाह जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एंड एक्सपो को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत का सामाजिक ताना-बाना और मजबूत सामुदायिक संरचनाएं राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे कमजोर सदस्यों के कल्याण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ले, तो इससे पूरे देश का भला होगा। अमित शाह ने कहा कि जब भी सामाजिक समारोह या सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, तो कुछ तथाकथित प्रगतिशील लोग उनमें शामिल होने वालों की आलोचना करते हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से ऐसी कई आलोचनाओं का सामना किया है। मेरा मानना ??है कि हमारे समुदायों की संरचना और इस तरह के बड़े सामुदायिक आयोजन वास्तव में भारत को मजबूत बनाते हैं; वे देश को कभी विभाजित नहीं करते।

यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे गरीब सदस्यों की सुरक्षा और कल्याण की जिम्मेदारी लेता है, तो पूरे देश की देखभाल स्वतः ही हो जाएगी और यदि प्रत्येक समुदाय आत्मनिर्भर हो जाता है, तो पूरा भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा।महेश्वरी समुदाय की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि इस समुदाय ने ऐसे व्यक्तियों को जन्म दिया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए योगदान दिया है, जिससे भारत एक रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रमुखता के बावजूद, यह समुदाय अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने कहा कि महेश्वरी समुदाय से निकले रत्नों ने इस देश को हर क्षेत्र में सुशोभित किया है, जिससे यह रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। देश में सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बाद भी, यदि कोई समुदाय अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है, तो वह महेश्वरी समुदाय है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के बाद, जब भारत ने औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता की ओर अपना सफर शुरू किया, तब माहेश्वरी समुदाय ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन से लेकर धन सृजन और प्रौद्योगिकी तक, इस समुदाय ने निरंतर अपनी प्रगतिशील सोच का प्रदर्शन किया है। शाह ने कहा, ॐजब देश को स्वतंत्रता मिली और आजादी के बाद आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और उद्योगों के क्षेत्र में पूरी दुनिया को पीछे छोड़ते हुए प्रगति करने का समय आया, तब भी माहेश्वरी समुदाय ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चाहे उत्पादन हो, विनिर्माण केंद्र हों, धन सृजन हो या प्रौद्योगिकी, माहेश्वरी समुदाय ने इन सभी क्षेत्रों में हमेशा एक प्रगतिशील समाज के रूप में अपनी पहचान साबित की है।

नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर जनता दल यूनाइटेड में ही दरार

पटना १०/०१ (संवाददाता): जनता दल (यूनाइटेड) के नेता केसी त्यागी द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग के बाद, पार्टी नेता राजीव रंजन प्रसाद ने शनिवार को कहा कि इस बयान का पार्टी की गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। रंजन ने नीतीश कुमार के अच्छे स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि केसी त्यागी के बयान व्यक्तिगत हैं और इनका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। राजीव रंजन प्रसाद ने एएनआई से कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वस्थ हैं। वे लगातार राज्य की जनता की सेवा कर रहे हैं... उनका (केसी त्यागी का) पार्टी की गतिविधियों से बिल्कुल कोई संबंध नहीं है... उनके बयान व्यक्तिगत हैं और पार्टी का उनसे कोई संबंध नहीं है। शुक्रवार को जेडीयू नेता केसी त्यागी ने नीतीश कुमार को भारत रत्न से

सम्मानित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में से हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवंगत चौधरी चरण सिंह और दिवंगत कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया था। हम इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं। त्यागी ने एएनआई को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवंगत चौधरी चरण सिंह और दिवंगत कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया था। हम इसके लिए आभार व्यक्त करते हैं। नीतीश कुमार समाजवादी आंदोलन से जुड़े सबसे प्रतिभाशाली नेताओं में से एक हैं जो अभी जीवित हैं। वे एनडीए के संस्थापकों में से एक हैं। वे %सुशासन बाबू% हैं। हमने आग्रह किया है कि उन्हें भी जीवित रहते हुए भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

इससे पहले, फरवरी 2024 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्रियों चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। उनके साथ, हरित क्रांति के जनक के रूप में जाने जाने वाले एमएस स्वामीनाथन को भी देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसी बीच, जनवरी 2024 में, केंद्र सरकार ने सामाजिक न्याय और हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए उनके आजीवन योगदान और कार्यों की मान्यता के लिए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया।

भारत के लिए ट्रंप सरकार की बड़ी राहत! अमेरिका के नियंत्रण में शुरू हो सकती है वेनेजुएला से तेल की खरीद

१०/०१ (संवाददाता): वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़े रणनीतिक बदलाव के संकेत देते हुए ट्रंप प्रशासन ने भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिका एक नए यूएस-नियंत्रित फ्रेमवर्क के तहत भारत को यह छूट देने के लिए तैयार है। इससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े तेल व्यापार के फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। ट्रम्प प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह एक नए अमेरिकी-कंट्रोल्ड फ्रेमवर्क के तहत भारत को वेनेजुएला का तेल खरीदने

की इजाज़त देने के लिए तैयार है, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण जमे हुए व्यापार के आंशिक रूप से फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। जब सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका भारत को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने की इजाज़त देने के लिए तैयार है, खासकर उसकी बढ़ती ऊर्जा ज़रूरतों को देखते हुए, तो जवाब साफ था। प्रशासन के अधिकारी ने द्धहृस्र को बताया, हां, हालांकि उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बारीक डिटेल्स पर अभी भी काम किया जा रहा है।अधिकारी ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का ज़िक्र किया, जिन्होंने कहा था कि वाशिंगटन ॐलगभग सभी देशोंॐ को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार रहेगा। फॉक्स बिजनेस के साथ एक इंटरव्यू में, राइट ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल को फिर से बहने की इजाज़त दे रहा है, लेकिन सिर्फ एक कड़े कंट्रोल वाले स्ट्रक्चर के तहत। उन्होंने कहा, तो उस तेल को, हम बहने की इजाज़त दे रहे हैं। फिर से, इसे यूनाइटेड स्टेट्स सरकार द्वारा बेचा जाएगा। पैसा अकाउंट्स में जाएगा।अमेरिकी प्रतिबंधों से पहले, भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े ग्राहकों में से एक था, जो अपनी कॉम्प्लेक्स रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी कच्चा तेल खरीदता था।

शिक्षा का मतलब सवाल पूछने की क्षमता विकसित करना-सिंधिया

नयी दिल्ली १०/०१ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल जीवन निर्माण नहीं है, बल्कि उस जीवन में अर्थ का निर्माण करने और सवाल पूछने की क्षमता विकसित करने में सक्षम होना है। केंद्रीय संचार मंत्री ने शुक्रवार को कहा , ''शिक्षा का उद्देश्य केवल यह प्रश्न पूछना नहीं होना चाहिए कि 'मैं कैसे सफल होऊं', बल्कि यह भी पूछना होना चाहिए कि 'मैं कैसे सेवा करूं'। सिंधिया भोपाल में ब्रिटेन से जुड़े 'श्रूसबरी इंटरनेशनल स्कूल' के 150 एकड़

के परिसर के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। दक्षिण एशिया के व्यापार आयुक्त और पश्चिमी भारत में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त हरजिंदर कांग ने भी इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, ''मैं भारत में श्रूसबरी इंटरनेशनल स्कूल की शुरुआत के मौके पर शामिल होकर प्रसन्न हूं। यह पारस्परिक विकास पर आधारित भारत-ब्रिटेन की दोस्ती का एक नया अध्याय है।''उन्होंने कहा, ''पिछले महीने हमारे प्रधानमंत्रियों ने 'भारत-ब्रिटेन विजन 2035' को मंजूरी दी है। इस नयी साझेदारी से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। इस दृष्टिकोण में शिक्षा और कौशल विकास पर खास ध्यान दिया गया है, जिससे आने वाली पीढ़ी को बेहतर मौके मिलेंगे। कांग ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारत और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग भी बढ़ेगा।

अयोध्या राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा में सेंध! नमाज की कोशिश, पकड़े जाने पर लगाए नारे, 3 हिरासत में

अयोध्या १०/०१ (संवाददाता): अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करने और शनिवार को नमाज अदा करने का प्रयास करने के बाद एक चौंकाने वाली घटना और कथित तौर पर सुरक्षा में बड़ी चूक में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें एक युवती भी शामिल थी। इस घटना के बाद परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कश्मीर निवासी होने का दावा करने वाले दो युवकों और एक महिला के इस समूह ने डी1 गेट से राम मंदिर परिसर में प्रवेश किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने कश्मीरी पोशाक पहनी हुई थी। उनमें से एक की पहचान जम्मू-कश्मीर के शोपियन जिले के निवासी अबू अहमद शेख के रूप में हुई है।

महिला की पहचान सोफिया के रूप में हुई है, जबकि तीसरे युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने पर तीनों ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाए। अधिकारियों के अनुसार, 55 वर्षीय व्यक्ति शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा वाले मंदिर परिसर में दाखिल हुआ, मंदिर के दर्शन किए और बाद में सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठ गया, जहां वह कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी कर रहा था।

उसकी हरकतों को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों ने उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के दौरान, शेख ने कथित तौर पर नारे लगाए। पुलिस ने बताया कि जांच और खुफिया एजेंसियां ??उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके मकसद का पता लगाया जा सके। अधिकारी उसकी यात्रा के इतिहास की भी जांच कर रहे हैं, जिसमें अयोध्या आने का उद्देश्य और क्या इस घटना से कोई अन्य व्यक्ति जुड़ा हुआ था, इसकी जानकारी शामिल है।

कश्मीरी व्यक्ति ने कथित तौर पर जांच दल को बताया कि वह राजस्थान के अजमेर जा रहा था। पुलिस को उसके सामान से केवल कुछ सूखे मेवे (काजू और किशमिश) ही मिले हैं। घटना के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खुफिया एजेंसियां ??राम मंदिर परिसर में लागू सुरक्षा उपायों का जायजा ले रही हैं। हालांकि, अभी तक जिला प्रशासन और राम मंदिर ट्रस्ट ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। ये खबर विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

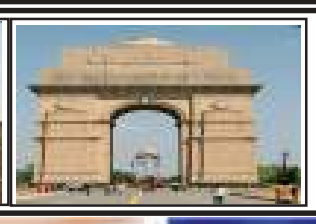

विविध समाचार

सर्दियों में ज्यादा परेशान करता है सोरायसिस

सर्दियों के मौसम में स्किन से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। अगर किसी को सोरायसिस है तो उसे सर्दियों में काफी ज्यादा परेशानी होती है। सोरायसिस एक त्वचा से जुड़ी बीमारी है जिसमें त्वचा पर लाल रंग की पपड़ीदार चकत्ते बनने लगते हैं। इसके कारण प्रभावित एरिया में खुजली सूजन बनी रहती है। यह एक ऑटोइम्यून विकार है। बहुत सारे लोगों का सवाल होता है कि आखिर क्यों सर्दियों में सोरायसिस ज्यादा परेशान करता है। आईए जानते है इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट से।

एक्सपर्ट बताती है कि सर्दियों में हवा में नमी में कमी हो जाती है। वातावरण बहुत सूखा हो जाता है और यह शुष्क वातावरण त्वचा को प्रभावित करता है। जिससे सोरायसिस के लक्षण जैसे खुजली जलन और सूजन बढ़ जाते हैं। जब तापमान गिरता है तो रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है इससे त्वचा में रक्त का संचार धीमा हो जाता है। इसके कारण त्वचा में नमी और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे भी सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।
सर्दियों में धूप की कमी हो जाती है जबकि विटामिन डी त्वचा के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसकी कमी से सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते है।
अक्सर ठंड से बचने के लिए लोग गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन गरम पानी त्वचा को और अधिक शुष्क बना सकता है। इससे त्वचा में रूखापन आ जाता है और सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।
सर्दियों में हम गर्म कपड़े पहनते हैं, जब ऊनी और गर्म कपड़े सीधे शरीर के संपर्क में आते है तो त्वचा में फ्रिक्शन बढ़ती है और यह खुजली का कारण बनता है, जिससे सोरायसिस उत्तेजित हो जाता है।
सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है इसके कारण भी सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।

शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती है गैस और एसिडिटी की दवाएं

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं है, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते है। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोजेन जैसी कोई दवाएं ले रहे है, तो आप बड़ी गलती कर रहे है। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते है। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते है। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने में जलन, एसिड रिफलक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते है, तो आपको दवाओं पर डिपेंड होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाएं और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक वो चबना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिक्स कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

सुबह खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हैं।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

आंतों से जुड़ी एक गंभीर समस्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस

अल्सरेटिव कोलाइटिस आंतों से जुड़ी एक गंभीर समस्या है जो आगे चलकर कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण क्या होते है। खराब जीवनशैली के कारण आंतों से जुड़ी कई तरह की समस्या देखने को मिल रही है, इनमें से एक है अल्सरेटिव कोलाइटिस, यह एक क्रोनिक बीमारी है,जिससे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आइए जानते हैं इसके लक्षण और कारण क्या होते हैं।

क्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अल्सरेटिव कोलाइटिस एक गंभीर समस्या है, जिसमें बड़ी आंत यानी कि कोलन में सूजन हो जाती है और अल्सर हो जाता है। इसे इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर यह बीमारी मलाशय को प्रभावित करती है। समय के साथ यह पूरे कोलन को भी प्रभावित कर सकती है। अल्सरेटिव कोलाइटिस छोटी आंतों को भी प्रभावित करता है। यह बीमारी किसी भी उम्र में शुरू हो सकती है। पहले तो यह धीरे-धीरे विकसित होती है, इसके बाद इसके लक्षण गंभीर होते हैं। इसके कारण इम्यूनिटी बुरी तरह से खराब हो जाती है। यह कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। बीमारी का सटीक कारण अब तक मालूम नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे कारण है जो इसकी विकास में भूमिका निभा सकते हैं।

अल्सरेटिव कोलाइटिस के कारण

- डाइट
- जेनेटिक म्यूटेशन
- स्मोकिंग

अल्सरेटिव कोलाइटिस के लक्षण

- डायरिया
- बैली पेन
- बार बार मोशन पास करने की इच्छा
- वजन कम होना
- मलाशय से खून आना
- बुखार होना
- सीवर डिहाइड्रेशन
- बोन लॉस

पेट में रुक-रुकर हो रहा दर्द तो नजरअंदाज न करें...

कोलन कैंसर खतरनाक हो गया है और अब 50 साल से पहले ही शिकार बना सकता है। इसके कुछ लक्षणों को हल्के नहीं लेना चाहिए, जिसमें पेट दर्द भी शामिल है। पेट दर्द के पीछे कोलन कैंसर भी वजह हो सकता है। आइए इसके शुरुआती लक्षणों के बारे में जानते हैं।
जीवनशैली और पर्यावरण हमारे शरीर पर हर पल असर करता रहता है। इनकी क्वालिटी खराब होने पर कई बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। युवाओं में कोलन कैंसर निकलना भी इसी का एक परिणाम है। डॉ. ने बताया कि हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि 50 वर्ष से कम उम्र के एडल्ट्स में कोलन कैंसर का रेट काफी तेजी से बढ़ा है। हालांकि इस बढ़ोतरी के पीछे के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है, मगर जीवनशैली में बदलाव, आहार, आनुवंशिकी और पर्यावरणीय प्रभाव जैसी चीजों पर शक किया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से कोलन कैंसर के संकेतों के बारे में पता होना बहुत जरूरी है। डॉ. के अनुसार पेट में क्रोनिक या रुक-रुकर हो रहा दर्द, ऐंठन या दर्द महसूस हो रहा हो तो नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह दिक्कत कोलन के अंदर हो रही समस्याओं का संकेत हो सकती है।

बावेल हैबिट में बदलाव

बावेल हैबिट में होने वाले बदलाव पर ध्यान दें। लगातार दस्त, कब्ज या मल में बदलाव आदि कोलन कैंसर के शुरुआती चेतावनी संकेत हो सकते हैं।

मलाशय से खून निकलना

मल में रक्त या मलाशय से रक्तस्राव एक चिंताजनक लक्षण है जिसके लिए तुरंत चिकित्सा की जरूरत होती है। इसे बवासीर जैसी छोटी समस्याओं से अलग करना महत्वपूर्ण है।

बेवजह वजन घटना

बिना किसी साफ कारण के अचानक वजन घटना कोलन कैंसर के लिए एक खतरे का संकेत हो सकता है, क्योंकि यह कैंसर के विकास के बारे में बताता है।

थकान और कमजोरी

लंबे समय से थकान और कमजोरी की सामान्य भावना जब ऊपर बताए किसी लक्षण के साथ हो तो किसी खतरे की चेतावनी हो सकती है।

जोखिम बढ़ने के कारण

पारिवारिक इतिहास, आहार और जीवनशैली में अस्वस्थ बदलाव, मोटापा व अधिक बीएमआई और क्रोनिक बीमारी इसका जोखिम बढ़ा सकती है।

शुरुआती जांच और स्क्रीनिंग

युवा वयस्कों में कोलन कैंसर की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, इसका शीघ्र पता लगाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए लक्षण दिखने या खतरा महसूस होने पर कोलोनोस्कोपी, स्टूल टेस्ट और सीटी कोलोनोग्राफी की जा सकती है।

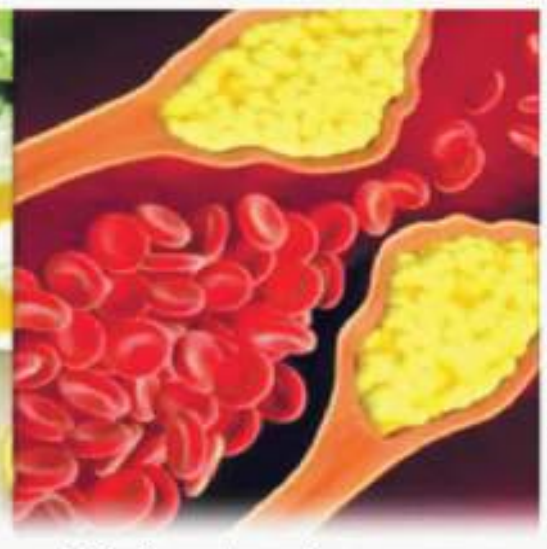

हाई कोलेस्ट्रॉल की छुट्टी कर देंगे 3 हेल्दी ब्रेकफास्ट

शरीर में अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे डाइट में सुधार करके, एक्सरसाइज और अन्य तरीकों से कम किया जा सकता है। आइए जानें कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए सुबह क्या खाना चाहिए।

हाई कोलेस्ट्रॉल आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। जो खराब लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतें, स्मोकिंग, शराब पीने, मोटापा, कम फिजिकल एक्टिव रहने समेत अन्य वजहों से हो सकती है।
दुनियाभर के तमाम देशों में लोग बड़ी संख्या में हाई कोलेस्ट्रॉल से जूझ रहे है। रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिका में करीब 71 मिलियन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल है, जबकि भारत में लगभग 31 फीसदी लोग इस प्रॉब्लम का सामना कर रहे हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल तब होता है जब खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा हो जाती है। आमतौर पर, कुल कोलेस्ट्रॉल 200 mg/dL या उससे अधिक हो जाता है तो इसे हाई कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। वहीं, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, हार्ट डिजीज, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी समस्याएं होने के चांसेस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाई कोलेस्ट्रॉल को कुछ दवाओं, एक्सरसाइज, हेल्दी वेट मैनेज करके और डाइट में सुधार करके कम किया जा सकता है। आज हम आपको 3 ऐसे हेल्दी ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे है, जिनके सेवन से आप अपने बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल शरीर में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ होता है। जो शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते है, गुड कोलेस्ट्रॉलऔर बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल का कम होना और बैड कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना दोनों ही घातक हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल में कौन सा ब्रेकफास्ट करें

अगर बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करना है तो जरूरी है कि आज ही आप अपने खानपान की आदतों में बदलाव लाएं। जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड को छोड़ने के साथ ही हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करें। बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए एक मशहूर डाइटिशियन ने बेस्ट ब्रेकफास्ट आइडियाज शेयर किए है। उनमें से हम आपको 3 बेस्ट ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

होल ग्रेन टोस्ट

खुशी की बात ये है कि अगर आपको होल ग्रेन टोस्ट पसंद है तो हाई कोलेस्ट्रॉल में आप उसे खाना जारी रख सकते है। जी हां, डाइटिशियन ने अपनी कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले ब्रेकफास्ट की लिस्ट में होल ग्रेन टोस्ट को भी शामिल किया है। उन्होंने बताया कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए होल ग्रेन टोस्ट को आप पीनट बटर और बेरीज का सेवन कर सकते हैं।

सारडो विद स्मोक्ड सैल्मन

अगर आप नॉनवेज खाना पसंद करते हैं तो अपनी सुबह की मील में आप सारडो के साथ स्मोक्ड सैल्मन खा सकते हैं। दरअसल, सैल्मन मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

ग्रीक योगर्ट

इसके अलावा हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए एक और टेस्टी ब्रेकफास्ट को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते है। ये है ग्रेनोला, अखरोट और होममेड जैम के साथ ग्रीक योगर्ट। इनमें ऐसे कई गुण मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने में आपकी मदद करेंगे।

कलिंग समाचार

संपादकीय

रविवार 11 जनवरी 2026

उन्नाव पीड़िता को थोड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगा दी है। मु य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर के उस आदेश के लागू होने पर स्टे ऑर्डर जारी किया, जिसमें सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर उन्हें अपील लंबित रहने तक जमानत दी गई थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विशेष तथ्यों को देखते हुए, जहां दोषी एक अलग अपराध में भी सजा काट रहा है, हम दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश को लागू करने पर रोक लगाते हैं। इस प्रकार, आरोपी को उक्त आदेश के तहत रिहा नहीं किया जाएगा। इस फैसले से एक बड़ी राहत पीड़िता को मिली है, क्योंकि अब यह तो तय हो गया है कि बलात्कार के दोष में कुलदीप सिंह सेंगर जेल में ही रहेगा, अब भी पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के एक अलग मामले में वह 10 वर्ष की सजा काट ही रहा है। इसमें उसे जमानत नहीं मिली है और अगली सुनवाई 4 ह ते बाद है। लेकिन अगर इस मामले में भी जमानत मिल जाती तब तो पीड़िता के लिए खतरा और ज्यादा बढ़ जाता। सेंगर ने केवल एक नाबालिग मासूम का बलात्कार ही नहीं किया, बल्कि अपने राजनैतिक दबदबे का इस्तेमाल उसकी इंसाफ की लड़ाई को रोकने में भी किया। इसलिए जब हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी थी, तो उसने इस नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाई थी। उसका साथ देने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना सामने आईं। हालांकि यह देखकर बेहद अफसोस हुआ कि इंसाफ के लिए लड़ रहे इन लोगों को पुलिस प्रशासन ने कुचलने की तमाम कोशिशें कीं। इंडिया गेट से लेकर संसद और हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने तक जहां भी कुलदीप सेंगर को जमानत मिलने का विरोध करने के लिए पीड़िता के साथ लोग इकट्ठे हुए उन्हें वहां से बलपूर्वक भगाने की कोशिशें हुईं। समझ नहीं आता कि आखिर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों से किस बात का खतरा सरकार को दिखाई देता है। देश में कितने ही मामले ऐसे सामने आते हैं जहां गुंडे कभी रेस्तरां, कभी पार्क में बैठे लोगों को परेशान करने, प्रताड़ित करने पहुंच जाते हैं। तब पुलिस पता नहीं कहां गायब हो जाती है। अभी देहरादून में अंजेल चकमा नाम के युवा को नस्लभेदी नफरत के कारण मार दिया गया। उसे चायनीज़ और मोमो जैसे शब्द बोलकर अपमानित किया गया। वह कहता रहा कि वह भारतीय है, फिर भी उसकी जान ले ली गई। हालांकि वह भारतीय न भी होता, सच में चीन या किसी और देश का नागरिक होता, तब भी नस्लीय नफरत और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। लेकिन ऐसे उत्पीड़न जब हो रहे होते हैं, तब पुलिस वहां नहीं पहुंचती। भाजपा के शासन में पुलिस का भी राजनीतिकरण करने के जो आरोप लगते हैं, वो ऐसी घटनाओं के बाद सही लगते हैं। कुलदीप सेंगर मामले में शर्मनाक बात यह है कि भाजपा के कई नेता उसके समर्थन में खुलकर आ गए हैं। ब्रजभूषण शरण सिंह ने सेंगर को जमानत देने का स्वागत किया था, योगी सरकार में मंत्री ओ पी राजभर ने भी पीड़िता का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि उसका घर उन्नाव में है तो दिल्ली में प्रदर्शन की क्या जरूरत। इसके बाद भाजपा पर कुलदीप सेंगर को राजनीतिक संरक्षण देने का जो आरोप लगा है, वह भी प्रमाणित होता दिखाई देता है। सब जानते हैं कि बलात्कार का गंभीर आरोप लगने के बावजूद लंबे समय तक कुलदीप सेंगर को गिर तार नहीं किया गया। भाजपा ने लगातार इस मामले में लीपापोती की। अभी जमानत मिलने के बाद जब पीड़िता, उसकी मां और योगिता भयाना आदि विरोध के लिए सड़कों पर थे तो कुछ लोग सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर उनसे भिड़ने आ गए। इनमें एक महिला भी थी, जो बार-बार कह रही थी कि इस मामले का राजनीतकरण किया जा रहा है। अफसोस की बात ये है कि मु यधारा का मीडिया ऐसे लोगों को बराबरी से कवरेज दे रहा था, मानो यही निष्पक्ष पत्रकारिता की कसौटी है। हालांकि एक पत्रकार ने सेंगर के समर्थन में आवाज उठा रही महिला से पूछ लिया कि आपकी बेटी के साथ ऐसा होता क्या तब भी आप बलात्कारी के लिए ऐसे ही सामने आती, तो वह महिला बिना जवाब दिए चली गई।

कुपोषण दूर करने में सब्जियों की महत्वपूर्ण भूमिका

भारत डोगरा

सृजन संस्था की ओर से जहां ऐसी खेती के लिए तकनीकी सहायता, बीज व विभिन्न साज-सामान के रूप में सहायता दी जाती है, वहां मिट्टी व जल संरक्षण के कार्यों का योगदान भी कम नहीं है। जल-संरक्षण कार्यों जैसे तालाब से मिट्टी-गाद हटाने से बेहतर सिंचाई उपलब्ध होती है। तालाबों से निकली मिट्टी-गाद से खेत का उपजाऊपन बढ़ता है। कुछ किसानों को प्राकृतिक कृषि केन्द्र स्थापित करने की सहायता दी जाती है जहां गोबर, गोमूत्र आदि की खाद व हानिकारक कीटों से बचाव के उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

भारतीय परिस्थितियों में यदि पोषण सुधारने का कोई एक सबसे सक्षम उपाय चुनना हो तो वह है सब्जियों की निर्धन परिवारों व जनसाधारण को अधिक उपलब्धि। सभी सब्जियों में कम या अधिक पोषण गुण है और यदि विविध सब्जियां पर्याप्त मात्रा में नियमित तौर पर भोजन में शामिल रहें तो पोषण का संतुलन अपने आप बना रहता है। विभिन्न विटामिन व खनिज तत्त्वों की उपलब्धि के लिए सब्जियां सबसे बेहतर स्रोत हैं। फाईबर भी उनसे अच्छा उपलब्ध होता हे।

सब्जियों से हमें वे एंटीआक्सीडेंट प्राप्त होते हैं जो बीमारी व संक्रमण से रक्षा करने में बहुत सहायक हैं। विभिन्न सब्जियां कुछ विशेष रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में या उनके उपचार में सहायक हैं। आंखों के स्वास्थ्य की ही बात करें तो गाजर व हरी पत्तीदार सब्जियां इसके लिए विशेष लाभदायक हैं। फ़ैमिली गेम

इधर सब्जियों के स्वास्थ्य गुणों पर एक सवाल भी उठाया गया है कि अधिक कीटनाशक दवाओं व रासायनिक खाद के उपयोग से इनके स्वास्थ्य गुणों में कमी आती है व कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। अत- प्राकृतिक खेती से प्राप्त सब्जियों को ही स्वास्थ्य व पोषण की दृष्टि से सर्वोत्तम माना गया है।

इस संदर्भ में देखें तो सृजन संस्था द्वारा सब्जी का उत्पादन प्राकृतिक कृषि पद्धति से बढ़ाने के अभियान का स्वागत होना चाहिए, विशेषकर यह देखते हुए कि इसमें छोटे किसानों को और उनमें भी महिला किसानों को प्राथमिकता दी गई है। निर्धन आदिवासी व दलित किसानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस तरह न केवल पौष्टिक सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है, अपितु यह ऐसे किसानों के खेतों पर विशेष तौर पर बढ़ाया जा रहा है जिनके परिवार को बेहतर पोषण की अधिक जरूरत है।

इस संदर्भ में एक सवाल यह उठता है कि छोटे किसानों के पास तो कम भूमि है जिस पर उन्हें अपनी जरूरत का अनाज, दलहन आदि भी उगाना है तो फिर उनके पास अधिक सब्जी उगाने के लिए कृषि भूमि कै से उपलब्ध होगी। इस समस्या को सुलझाने के लिए सृजन ने मल्टी लेयर या बहु-स्तरीय सब्जी की खेती का प्रसार किया है जिसमें विभिन्न स्तरों पर तरह-तरह की सब्जियां एक साथ उगाई जाती हैं, कुछ जमीन के नीचे, कुछ सब्जियां छोटे पौधों पर, कुछ बड़े पौधों पर तो कुछ ऊपर की ओर बेल के ऊपर रहती हैं। इसके लिए बांस, रस्सी व तार लगाकर बेलों को ऊपर तक बढ़ने का सहारा दिया जाता है जिनसे उनमें लगी सब्जी अधिक सुरक्षित भी रहती है। ऐसे बगीचों को प्रतिकूल मौसम व पशुओं से सुरक्षित भी किया जाता है। किराने का सामान

ऐसे बगीचे के नियोजन में इस विषय की बड़ी समझ होती है कि किस पौधे को किस के साथ लगाना उचित है, मिट्टी के पोषण की दृष्टि से कैसा मिलन उचित है, कौन सा कोमल पौधा किसी बड़े पौधे की छाया में पनप सकता है आदि। इस तरह की समझ, निष्ठा और मेहनत के आधार पर बहुत से किसान बहुत कम भूमि में ही विविध तरह की सब्जियों का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियां अलग-अलग समय पर बिक्री के लिए भी उपलब्ध होती रहती हैं व इस तरह आय की निरंतरता भी बनी रहती है। सृजन संस्था की ओर से जहां ऐसी खेती के लिए तकनीकी सहायता, बीज व विभिन्न साज-सामान के रूप में सहायता दी जाती है, वहां मिट्टी व जल संरक्षण के कार्यों का योगदान भी कम नहीं है। जल-संरक्षण कार्यों जैसे तालाब से मिट्टी-गाद हटाने से बेहतर सिंचाई उपलब्ध होती है। तालाबों से निकली मिट्टी-गाद से खेत का उपजाऊपन बढ़ता है।

कुछ किसानों को प्राकृतिक कृषि केन्द्र स्थापित करने की सहायता दी जाती है जहां गोबर, गोमूत्र आदि की खाद व हानिकारक कीटों से बचाव के उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इस तरह अगर सब्जियों की बगिया में प्राकृतिक पद्धति अपनाने से सहायता मिलती है वहां यह संभावना भी बढ़ जाती है कि जल-संरक्षण और प्राकृतिक खेती का यह मिलन किसानों को इतना पसंद आ जाए कि वह अपनी पूर्ण खेती के लिए भी इसे अपना लें। चित्रकूट जिले के मऊ ब्लाक में कोल बस्तियों गुइयां खुर्द और गुईयां कलां में भी इसी मिलन से आदिवासी किसानों ने प्रगति की है। यहां के जल-संरक्षण कार्यों में लगभग 10 लाख रुपए का खर्च आया जिनमें से 70 प्रतिशत तक तो इन आदिवासी परिवारों में मजदूरी के रूप में वितरित हो गए। विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें

इस कार्य की सफलता के लिए इन परिवारों की नजदीकी भागेदारी प्राप्त की गई व उन्हें गांव विकास समितियों के रूप में संगठित किया गया। इसके साथ प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। इस तकनीक से खर्च बहुत कम होने की संभावना ने भी इन छोटे किसानों को आकर्षित किया।

श्याम पहले मजदूर के रूप में इधर-उधर भटक रहा था, पर अब यह नए अवसर उपलब्ध होने पर उसने अपनी खेती सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। उसकी पत्नी सविता सब्जी की खेती में नेत्तृत्व देने वाली महिला के रूप में सामने आई। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सृजन ने एक सोलर पंप की सुविधा भी उपलब्ध करवाई।

इसी प्रखंड में लपांव गांव में भी इस प्रयास ने अच्छी प्रगति की। किरण ने अपना छोटा पर अति उत्पादक बगीचा गर्व से दिखाया। यहां बंदरों से रक्षा के लिए सृजन ने एक हरा नेट भी उपलब्ध करवाया है। परिवार के सभी सदस्य मिल कर यहां बहुत मेहनत व निष्ठा से सब्जियां उगाते हैं। किरण ने बताया कि प्राकृतिक पद्धति से उत्पादित सब्जी की गुणवत्ता इतनी अच्छी मानी जा रही है कि व्यापारी बगीचे तक पहुंचकर सब्जी खरीद कर ले जाते हैं। किरण के ससुर ब्रज बिहारी ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले तक उनकी आंख इतनी कमजोर हो गई थी कि आप्रेशन करवाने की बात चल रही थी, पर अपने बगीचे में उत्पन्न सब्जी व विशेषकर चौलाई खाने से आंखों में बहुत तेजी से सुधार हो गया। इस परिवार ने घर के पास एक किचन गार्डन व फलों को छोटा बगीचा भी तैयार किया है।इसी गांव में आशा ने घर के पास छोटा सा खाली स्थान देखकर वहां सुंदर किचन गार्डन तैयार कर लिया है। इससे परिवार का पोषण बहुत सुधर गया है व साथ में पड़ौसियों, आने वाले मेहमानों को भी आशा कुछ सब्जी का उपहार देती रही हैं। यहां एक गोलाकार ढंग की ऐसी सिंचाई व्यवस्था बनाई गई है कि सभी पौधों तक पानी पहुंच जाता है।

पुष्पा एक दलित महिला है जिसने अभी किचन गार्डन लगाना शुरू ही किया था पर वह इस प्रयास से बहुत उत्साहित थी। इस तरह कार्यक्रम के आरंभ होने के एक वर्ष के भीतर ही कई परिवार इससे जुड़ गए थे।

इसके अतिरिक्त सृजन ने अन्य सहयोगी संस्थाओं जैसे समाज सेवा संस्थान, अंत्योदय व युवा कौशल विकास मंडल के सहयोग से सब्जी की वाटिकाओं का प्रसार अनेक अन्य गांवों में भी किया है। हमीरपुर जिले (उत्तर प्रदेश) व कुछ अन्य स्थानों पर इन किसान परिवारों ने बताया कि उनके पोषण में भी सुधार हुआ है व वर्ष में विभिन्न समय पर इस प्रयास से कुछ नकद आय भी प्राप्त होती रहती है। मानिकपुर प्रखंड (जिला चित्रकूट) में सब्जी उगाने वाले समुदाय के किसानों ने कहा कि चाहे परंपरागत तौर पर उनका अपना सब्जी उगाने का बहुत अनुभव रहा है, फिर भी प्राकृतिक पद्धति व बहुस्तरीय सब्जी उत्पादन के इस मॉडल में उन्हें भी बहुत कुछ सीखने को मिला है।

जी राम जी या रोजगार गारंटी को जै राम जी

अरविन्द मोहन

दुनिया भर की आर्थिक नीतियों और विकास पर नजर रखने वालों की यह चिंता मनरेगा के शुरुआती परिणामों और क्रांतिकारी स्वरूप को लेकर है। यूपीए सरकार द्वारा शुरू इस योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले काफी कुछ कह चुके हैं लेकिन इसके लाभ को देखकर उन्होंने भी सत्ता में आने पर इसे हटाने की हि मत नहीं की। और जब करोना के लक्षण दिखते ही एक बार में राष्ट्रव्यापी लाकड़ाउन का जैसा गलत फैसला हो गया तब मनरेगा ने जिस तरह समाज के सबसे कमजोर समूह की मदद की उसे देखकर वे भी प्रभावित हुए और मनरेगा का बजट बढ़ा ही।

मात्र दो दिन के हंगामे या चर्चा के बाद जो बिल पास हो चुका है और जिस पर राष्ट्रपति के भी दस्तखत हो चुके हैं उसको लेकर अभी भी विपक्ष और %षडयंत्रकारियों% को कोसना भी इस बात का प्रमाण हो सकता है कि सरकार ने मनरेगा के स्वरूप में जो बदलाव किए हैं उनके पीछे प्रशासनिक और वित्तीय मसलों के साथ राजनैतिक मसले भी जुड़े हुए हैं।

और अगर यह बिल पेश करने वाले मंत्री शिवराज सिंह चौहान अभी भी इस पर राजनैतिक बयान दे रहे हैं तो यह भाजपा द्वारा अपनी चलाने और उसका राजनैतिक लाभ लेने का ही प्रमाण है। यह सही है कि सं या-बल में हारा विपक्ष तो इस योजना से गांधी का नाम हटाने को मु य मुद्दा बना रहा है लेकिन दुनिया भर के प्रमुख अर्थशास्त्रियों समेत देश के बौद्धिक जमात में भी इसे लेकर बेचैनी जाहिर हो रही है, मनरेगा लाने के पीछे मु य शक्ति रहीं सोनिया गांधी और लगभग पूरा विपक्ष इसके खिलाफ ताल ठोंक रहा है तो एनडीए के घटक दलों से ही नहीं भाजपा के अंदर से भी कुछ असहमति के स्वर सुनाई दे रहे हैं। जोजेफ़ स्टिगलिट, थामस पिकेटी, जे स गालब्रेथ, इजाबेले फेरारेस, डेरिक हैमिल्टन, मारिआना मझाकूटो, इमरान वेलोडिया, रैंडल व्रे और पवलिना चेरनेवा जैसे याति प्राप्त अर्थशास्त्रियों ने साझा बयान जारी करके मनरेगा के स्वरूप में हुए बदलावों पर आपत्ति जताई है।

दुनिया भर की आर्थिक नीतियों और विकास पर नजर रखने वालों की यह चिंता मनरेगा के शुरुआती परिणामों और क्रांतिकारी स्वरूप को लेकर है। यूपीए सरकार द्वारा शुरू इस योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले काफी कुछ कह चुके हैं लेकिन इसके लाभ को देखकर उन्होंने भी सत्ता में आने पर इसे हटाने की हि मत नहीं की। और जब करोना के लक्षण दिखते ही एक बार में राष्ट्रव्यापी लाकड़ाउन का जैसा गलत फैसला हो गया तब मनरेगा ने जिस तरह समाज के सबसे कमजोर समूह की मदद की उसे देखकर वे भी प्रभावित हुए और मनरेगा का बजट बढ़ा ही। इधर फिर से मनरेगा उपेक्षित होने लगा था और उसकी गलतियों और कमियों पर तो ध्यान नहीं ही दिया जा रहा था, उसमें घोटाले बढ़े थे और किसी मामले में दोषियों को सजा देने का काम नहीं हुआ। मजदूरी देने में भी बहुत देरी होने से उसका असली मकसद ही खत्म हो रहा था।

लंबे अनुभव से कुछ बदलावों की जरूरत मानी जा रही थी। नए कानून में रोजगार के दिनों की सं या सौ से बढ़ाकर सवा सौ और खेती के समय दो महीने मनरेगा के काम बंद रखने जैसे दो बदलावों को आप इस श्रेणी में रखना चाहें तो रख सकते हैं लेकिन जैसा कानून बना है उसमें तो पूरी योजना ही हाशिये पर आ जाएगी, फिर ये सुधार किस काम के होंगे।

बीस साल पहले जब महाराष्ट्र के छोटे अनुभव को आधार बनाकर देश भर के लिए रोजगार गारंटी का कानून बना तो दुनिया का ध्यान उसकी तरफ लगा हालांकि तब भारत विश्व गुरु होने का दावा नहीं करता था। लंबी सार्वजनिक और संसदीय चर्चा के बाद यह कानून बना था। संसदीय समिति तो भाजपा के नेता कल्याण सिंह की अगुवाई वाली थी और इसमें भी सर्वस मति बनी थी। तब भी इसके खर्च और लाभ को लेकर इसका विरोध करने वाले थे लेकिन मु यत- यूपीए की अध्यक्ष सोनिया गांधी के अड़े रहने से यह कानून बना। इसके बाद ही शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार और सूचना का अधिकार जैसे अधिकार आधारित कानून बने। जब पाँच करोड़ सबसे गरीब परिवारों को 200 करोड़ कार्यदिवस का रोजगार दिया गया तो दुनिया भर में इसकी धूम मची क्योंकि इस पैमाने पर गरीबों को सीधी मदद और गाँव तथा पिछड़े इलाके में उपयोगी सामाजिक परिसंपत्तियों के निर्माण की ऐसी कोई योजना तब तक विश्व में कहीं भी नहीं चल रही थी। रोजगार की गारंटी का पक्ष तो विलक्षण था ही, इसमें आधे से ज्यादा कामगार महिलाएं थी, दलितों और आदिवासियों का अनुपात चालीस फीसदी था। कुंआ, तालाब, सड़क, फलदार पेड़, छोटे बांध जैसी परिसंपतियों का निर्माण और जीर्णोद्धार गांवों की सहमति से हुआ तो उसका लाभ उनको लगातार हुआ। प्रशासनिक खर्च पांच फीसदी से भी कम था। रोजगार और परिसंपत्तियों के निर्माण के साथ तीसरा और सबसे बड़ा लाभ यह हुआ की ग्रामीण क्षेत्र में औसत दिहाड़ी मजदूरी बढ़ गई।

सैकड़ों अध्ययनों से इनके लाभ ही जाहिर हुए। कुछ कमजोरियां भी दिखीं और कुछ नए सुझाव भी आये जिनहे लागू करना मुश्किल न था। खर्च भी हर अनुमान से नीचे रहा – जीडीपी के एक फीसदी से कम।

जब तक सोनिया गांधी ने अलग से वीडियो जारी करके अपने इस प्रिय कानून को बचाने के लिए संघर्ष की घोषणा नहीं की तब तक कांग्रेस और विपक्ष के विरोध का मु य मुद्दा इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने और अंग्रेजी-हिन्दी के लंबे और ऊटपटांग नाम से बनाए गए %जी राम जी' ही बनता दिख रहा था। वे इसके सामाजिक, आर्थिक और अन्य पक्षों को भूल से गए लगते थे। भाजपा के गांधी विरोध और राम जी प्रेम की राजनीति अनजानी नहीं है।

लेकिन बिल के स्वरूप के बदलाव से पीछे ज्यादा बड़े कारण है। राज्यों से बिना चर्चा उन्हें ही रोजगार का गारंटर बनाया गया है लेकिन पैसा देना न देना केंद्र के विवेक पर निर्भर कर दिया गया है। इससे ज्यादा परेशानी का सवाल धन और खर्च का है जिसमें पहले राज्यों का हिस्सा दस फीसदी था तो अब चालीस फीसदी हो गया है। इस योजना की जरूरत सबसे ज्यादा गरीब राज्यों को है लेकिन संसाधन जुटाने के बोझ में उनको कोई रियायत नहीं मिली है। अब अगर वे चालीस फीसदी खर्च के डर से आगे नहीं बढ़ेंगे तो केंद्र वैसे ही हाथ धोकर किनारे खड़ा हो जाएगा। केंद्र के विवेक के और भी विषय हैं तो राज्यों पर जि मेवारियों के सारे बोझ हैं। रोजगार देना, बेरोजगारी भत्ता देना, देर से मुगतां पर क्षतिपूर्ति देना और पर्याप्त फंड का इंतजाम जैसे सारे बोझ राज्यों के सिर मध दी गए हैं और उनसे कोई चर्चा नहीं हुई है। अब भाजपा शासित राज्यों में तो ज्यादा नाराजगी नहीं दिखती लेकिन विपक्ष शासित राज्य पहले से परेशान हैं। पश्चिम बंगाल को तो पिछले तीन साल से मनरेगा के लिए ही कोई धन नहीं मिला है।

कांग्रेस और विपक्ष शासित राज्यों की तरफ से उलटी प्रतिक्रिया आने लगी है तो एनडीए शासित राज्यों से भी असहमति के स्वर सुनाई दे रहे हैं। खुद भाजपा के कई लोग ने प्रावधानों को लेकर सशंकित हैं। पर बिहार चुनाव जीतने के बाद सरकार जिस मूड में आ गई है उसमे ऐसी असहमतियों की कोई परवाह नहीं दिखती। श्रम कानूनों को हटाकर विवादास्पद संहिताऐं लाना, निजी क्षेत्र के लिए एटमी क्षेत्र खोलना, बीमा क्षेत्र में शत प्रतिशत विदेशी पूंजी को अनुमति देना, विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत आने, आनलाइन गेमिंग कानून में बदलाव और प्रस्तावित बीज कानू वगैरह यही बताते हैं कि सरकार एकदम मनमानी पर आ गई है।

विविध समाचार

पंजाब से पुष्पा स्टाइल में गौ तस्करी, तेल के टैंकर में ठूसी गई नौ गाय

फतेहगढ़ साहिब १०/०१ (संवाददाता): गौ तस्करी को रोकने के लिए एक्साइज विभाग की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। बिलासपुर के केंची मोड़ पर पंजाब की तरफ से आ रहें टेंकर को हिमाचल प्रदेश के आबकारी विभाग, गौ रक्षा समिति हिमाचल प्रदेश, शिव सेना हिन्द, बजरंग दल नालागढ़ द्वारा संयुक्त रूप से लगाए गए नाके के दौरान एक टैंकर में गौवंश की तस्करी का प्रयास विफल किया गया। दरअसल, एक्साइज विभाग की टीम ने गड़ा मौड़ा के पास नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान डीजल टैंकर चालक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने वाहन भगा लिया। जिसके बाद कुछ ही दूरी पर उसका संतुलन बिगड़ गया और टैंकर सड़क किनारे नाली में फंस गया। जांच में पता चला कि टैंकर को मोडिफाई किया गया था। पिछले हिस्से को काटकर उसमें खिड़कीनुमा दरवाजा तैयार किया था, जिसे बाहर से पहचान पाना नामुमकिन था। टैंकर के अंदर से विभाग ने 9 गायों को बरामद किया। जिसके बाद हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर के थाना स्वारघाट की पुलिस भी मौके पर पहुंची और टैंकर को कब्जे में लेकर सभी गोवंश को सुरक्षित गोशाला में पहुंचाया। वहीं, जम्मू का रहने वाला चालक जाफर अली और सहारनपुर का रहने वाला सहचालक असलम फरार हो गए है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ये टैंकर पंजाब के मोगा से मनाली होते हुए कश्मीर जा रहा था।

बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं ने बिजली कर्मियों से की हाथापाई

सिरसा १०/०१ (संवाददाता): हरियाणा के सिरसा में गुरुवार को बिजली बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटने गये बिजली निगम के दल पर हमला किये जाने का मामला सामने आया है। निगम के जूनियर इंजीनियर रोहताश कुमार ने बताया कि शमशाबाद पट्टी इलाके में बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने गये विभाग के दल के साथ कुछ लोगों ने गाली–गलौज और हाथापाई की। उन्होंने बताया कि उनके दल ने जब ऐसे एक उपभोक्ता का मीटर उखाड़ा तो कुछ लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उनकी चाबी भी छीन ली।उन्होंने बताया कि हमलावर धमकी देने लगे कि मीटर वापस लगा दो। अगर मीटर नहीं लगाया, तो बाइक की चाबी नहीं देंगे। हमलावर पांच से छह थे। रोहताश कुमार ने बताया कि निगम की ओर से बिल जमा न करने वाले डिफाल्टरों की लिस्ट बनाई हुई है। ऐसे डिफाल्टरों की सूची लेकर बिल भरवाने के लिए वह शमशाबाद पट्ष्टी एरिया में गये थे। जिन लोगों की डिफाल्टर राशि 20 लाख रुपये से ज्यादा थी, अथवा लंबे समय से बिल नहीं भरे थे। विभागीय आदेशानुसार उनके मीटर उखाड़ने या कनेक्शन काटने थे। रोहताश कुमार ने बताया कि मोहनलाल के नाम से कनेक्शन था, जिनका मीटर उतारने के लिए उनसे बात की और उन्हें कहा गया कि, बिल भरना पड़ेगा या कनेक्शन काट दिया जाएगा। वह बोले कि उनसे बिजली बिल नहीं भरा जाएगा। इसके बाद उसने कर्मचारियों को मीटर उतारने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने मीटर उतारा, कुछ लोग वहां आये और उससे हाथापाई करने लगे। घटना के दौरान बिजली कर्मियों ने डायल 112 पर फोन किया, इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस गाड़ी को आते देख हमलावर मौके से भाग गये। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आयी, तो उन्होंने बाइक की चाबी दिलवायी।

नशे के नाम पर पंजाब और सिखों को बदनाम करना बंद करे बीजेपी : पद्मश्री परगट सिंह

चंडीगढ १०/०१ (संवाददाता): पद्मश्री परगट सिंह, विधायक एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव ने हिमाचल प्रदेश में नशे की समस्या के लिए पंजाब को जिम्मेदार ठहराने वाले सांसद कंगना रनौत के बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे न केवल तथ्यहीन, बल्कि भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा बताया, जिसमें वह गैर–भाजपा शासित राज्यों को बदनाम कर रही है, विशेषकर पंजाब को। नाराजगी जताते हुए परगट सिंह ने कहा कि यह सिर्फ अज्ञानता ही नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया अपमान है। हिमाचल में फैले नशे के लिए पंजाब को दोष देना बीजेपी की घिसी–पिटी रणनीति है। जहां खुद की विफलताओं को छुपाने के लिए दूसरों को निशाना बनाया जाता है। कंगना की मानसिकता हमेशा से ही पंजाब और पंजाबियों के खिलाफ रही है। इतने गंभीर मुद्दे पर इस तरह के बयान देना उनकी कम अकल को दर्शाता है। परगट सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत में ड्रग तस्करी एक राष्ट्रीय समस्या है, लेकिन बीजेपी सुविधा के अनुसार पंजाब और उनके जैसे गैर–भाजपा राज्यों को दोषी ठहराती है। बीजेपी का मकसद समाधान नहीं, बल्कि सुर्खियां बटोरना और विपक्षी राज्यों को बदनाम करना है। जहां जहां उनकी सरकार नहीं है, वहां नशे की बात होते ही वे झूठे आरोप लगाने लगते हैं। लेकिन जहां गुजरात जैसे राज्यों से ड्रग्स की खेप पकड़ी जाती है, वहां सब चुप हो जाते हैं। परगट सिंह ने सवाल उठाते हुए पूछा कि 21000 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग्स गुजरात के बंदरगाहों से पकड़ी जा चुकी है। क्या कंगना रनौत और बीजेपी में इतनी हिम्मत है कि वे प्रधानमंत्री मोदी या गुजरात सरकार से जवाब मांग सकें? उन्होंने आगे कहा कि जब वोट लेने होते हैं तो पंजाब की कुर्बानियां याद आती हैं। लेकिन जब जवाबदेही की बात आती है तो सबसे पहले पंजाब को बदनाम किया जाता है। यही तो बीजेपी का असली चरित्र और राजनीतिक अवसरवाद है। परगट सिंह ने कहा कि पंजाब खुद नशे की त्रासदी का शिकार है, उसका स्त्रोत नहीं है। हमारे युवा बर्बाद हो रहे हैं, परिवार टूट रहे हैं। पूरा राज्य इस जहर के खिलाफ रोज जंग लड़ रहा है। जमीन पर भी और अदालतों में भी। ऐसे में पंजाब को दोष देना सरासर अन्याय है। परगट सिंह बोले– सांसद कंगना रनौत को तुरंत बयान वापस लेकर पंजाब की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। कंगना अधूरे और आधारहीन तथ्यों से पंजाबियों के अक्स को खराब कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी वाकई राष्ट्रीय एकता में विश्वास रखती है, तो उसे पंजाब और अन्य गैर–भाजपा शासित राज्यों को झूठे आरोपों से निशाना बनाना बंद करना होगा। यह सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि देश की एकता, सच्चाई और पंजाब के सम्मान का सवाल है।

कांगड़ा मिनी सचिवालय के पीछे 82 वर्षीय वृद्ध मृत मिला

कांगड़ा १०/०१ (संवाददाता): हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मिनी सचिवालय के पीछे एक 82 वर्षीय व्यक्ति का शव खून से लथपथ पाया गया। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। कांगड़ा पुलिस स्टेशन के प्रभारी संजीव कुमार ने यूनीवार्ता से कहा कि मिनी सचिवालय भवन में स्थित एसडीपीओ कार्यालय को एक स्थानीय निवासी से सूचना प्राप्त हुई कि कांगड़ा के मिनी सचिवालय के पीछे ईंटों पर एक व्यक्ति गिरा हुआ है। एसएचओ संजीव कुमार ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया तो पाया कि उस व्यक्ति के सिर पर गंभीर चोट लगी थी और वो पहले ही मर चुका था। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को तुरंत टांडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसएचओ ने आगे कहा कि प्रथम दृष्टया साक्ष्यों से पता चलता है कि मौत गिरने से हुई है। व्यक्ति की पहचान कांगड़ा निवासी दलजीत सिंह ठाकुर के रूप में हुई है जिनका घर तहसील चौक से कुछ ही मीटर की दूरी पर है। वह एक राष्ट्रीयकृत बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक रहे हैं। मृतक के दो बेटे अमेरिका में हैं और एक बेटी का विवाह कांगड़ा शहर में हुआ है।

22वीं सीनियर नेशनल किक बॉक्सिंग चौंपियनशिप में पंजाब बना चैंपियन

अमृतसर १०/०१ (संवाददाता): छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 22वीं सीनियर नेशनल किक बॉक्सिंग चौंपियनशिप–2025 में पंजाब की महिला एवं पुरुष टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। पंजाब की टीम ने कोच बलदेव राज देव और जिला सचिव की अगुवाई में भाग लिया और 22 स्वर्ण, 18 रजत तथा 26 कांस्य पदकों के साथ कुल 66 अंक अर्जित किए। पंजाब के खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों और खिलाड़ियों ने लौटने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कोच बलदेव राज देव, मैनेजर कृष्ण चौहान और तकनीकी सलाहकार सोमदत्त ने बताया कि खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से न केवल पंजाब का नाम रोशन किया, बल्कि एसोसिएशन और अपने माता–पिता का भी मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र की टीम दूसरे और तमिलनाडु की टीम तीसरे स्थान पर रही। पंजाब की विजेता टीमों को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साए और राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है ज़्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उज़राखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिज़्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत: इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जज़्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उज़राखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलज़्ध कराता है। इस संज़्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सज़्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सज़्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संज़्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पण्रकरे कि प्रतिवर्ष कम–से–कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संज़्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है। भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है ज़्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उज़राखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिज़्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत: इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जज़्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उज़राखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलज़्ध कराता है। इस संज़्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सज़्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, रविवार 11 जनवरी 2026 | पृष्ठ-6

आरएसपी में आधुनिक कार्यस्थल के लिए स्मार्ट कौशल पर एआई-वर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

राउरकेला १०/०१ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में 30 से 31 दिसंबर, 2025 तक एआईझ्रवर्क- आधुनिक कार्यस्थल के लिए स्मार्ट स्किल्स के साथ स्मार्ट सेल% पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मुज्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री पी. के. साहू ने की। इस मौके पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री एच पति भी मौजूद थे।

संयंत्र के विभिन्न विभागों के सभी 25 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। मुज्य महाप्रबंधक (आईएंडए), श्री के के सेनगुप्ता और मुज्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री पी के साहू ने वर्कशॉप के आखिरी सत्र की अध्यक्षता की और

प्रतिभागियों से बातचीत की।

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को कार्यस्थल उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमज़ा उपकरणों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने में सक्षम बनाना था। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को दिन-प्रतिदिन के कार्यों में अवसरों की पहचान करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान से लैस करना है जहां एआई दक्षता, संचार और निर्णय लेने में सुधार कर सकता है। डेटा, एमआईएस, प्रस्तुतियों और रिपोर्टों को संभालने वाले अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। विभिन्न सत्रों में शामिल प्रमुख पहलुओं में दैनिक उत्पादकता के लिए एआई उपकरणों के लिए त्वरित इंजीनियरिंग और हाथों पर संपर्क शामिल था। सत्रों ने वास्तविक कार्यस्थल परिदृश्यों के माध्यम से व्यावहारिक अनुप्रयोग पर ज़ोर दिया, जिससे प्रतिभागियों को अपने स्वयं के व्यक्तिगत एआई टूलकिट बनाने में सक्षम बनाया गया।

यह कार्यक्रम एमटीआई के एकेडमिज़्स के वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री चंद्र नाथ कुमार द्वारा आयोजित किया गया, जिन्होंने संकाय और सुविधाकर्ता के तौर पर भी काम किया। इंटरैक्टिव सत्रों और व्यावहारिक अज़्यास को प्रतिभागियों ने खूब पसंद किया, जिससे कार्यस्थल पर एआई टूल्स इस्तेमाल करने के बारे में जागरूकता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

कटक में फर्जी पुलिस गिरोह का आतंक! लूट को दिया अंजाम

कटक १०/०१ (संवाददाता): कटक शहर में फिर से फर्जी पुलिस गिरोह का आतंक दिखने को मिला है। एक ही दिन में मालगोदाम और पीठापुर इलाके में दो व्यापारियों को लुटेरों निशाना बनाते हुए उनसे 3 लाख 30 हजार लूट लिया है। लुटेरों ने काले रंग के मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया था। पुलिस का परिचय देते हुए इस अपराधिक वारदात को अंजाम दी गई है। इन दो घटनाओं को लेकर बादामबाड़ी और मालगोदाम थाने में दो अलग.अलग मामला दर्ज की गई है ।मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल 24 परगना के शिबू विश्वास शंकरपुर में रह रहे हैं। वह इमिटेशन जेवर व्यापारी हैं। शुक्रवार के दिन वह पीठापुर मूनलाइट लेन रास्ते से इनविटेशन जेवर खरीदने के लिए जा रहे थे। उसी समय उनके पास दो युवक एक काला रंग की मोटरसाइकिल में आ धमके। दोनों युवक खुद को पुलिस कर्मचारी के तौर पर परिचय दिया।

एमसीएल में विश्व हिंदी दिवस पर राजभाषा संगोष्ठी आयोजित

संबलपुर १०/०१ (संवाददाता): विश्व हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) मुख्यालय में एमसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री केशव राव की अध्यक्षता में वैश्वीकरण के दौर में हिंदी की भूमिका और संभावनाएं विषय पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

श्री केशव राव, निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि पर्यटन और सिनेमा हिंदी के वैश्वीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने फिल्मों को सॉफ्ट पावर बताते हुए हिंदी भाषा के प्रचार में विपणन की भूमिका को रेखांकित किया तथा चिकित्सा और इंजीनियरिंग की शिक्षा हिंदी में उपलज़्ध होना सकारात्मक परिवर्तन बताया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री संबित पट्टनायक ने एमसीएल में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला।?

मुख्य वक्ता डॉ. अभिजीत सिंह, सहायक प्राध्यापक, विद्यासागर महिला महाविद्यालय, कोलकाता ने वसुधैव कुटुंबकज़् की अवधारणा से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में टोज़्यो मशीन ट्रांसलेशन के एक अध्ययन में हिंदी को विश्व की दूसरी सर्वाधिक प्रयोग में ली जाने वाली भाषा मानी गयी है, जो इसकी संज़्यात्मक शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हिंदी बोलने वालो की संज़्या-शक्ति मजबूत है, किन्तु वर्तमान समय में हिंदी के स्तर और उपयोगिता को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है. सज़्प्रति लंदन विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता के पुस्तकालय विभाग का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हिंदी की वैश्विक उपस्थिति का प्रमाण है। उन्होंने सोशल मीडिया, हिंदी साहित्य और हिंदी पॉडकास्ट की भूमिका की सराहना करते हुए हिंदी को कार्योन्मुखी बनाते हुए कॉर्पोरेट क्षेत्र से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।?

इस संगोष्ठी में मुज़्यालय से विभागाध्यक्ष समेत राजभाषा अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यलयों के हिंदी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

पुलिस ने विस्फोटक जाल लगाने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार

अंगुल १०/०१ (संवाददाता): जिले में एक कार्रवाई में, वन अधिकारियों ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरज़्तार किया जिसने चेंडिपाड़ा के पास संरक्षित जंगलों में शिकार के लिए 16 विस्फोटक डिवाइस लगाए थे। गिरज़्तार शिकारी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। यह छापा तब मारा गया जब अंगुल वन कर्मियों को सूचना मिली कि पांच शिकारी दुर्गापुर आरक्षित वन के अंदर विस्फोटकों का इस्तेमाल करके जानवरों को फंसाने की योजना बना रहे हैं। अचानक मारे गए छापे के दौरान, वन टीम ने पांच शिकारियों को देखा। उनमें से चार भागने में कामयाब रहे, जबकि एक व्यक्ति को मौके पर ही विस्फोटकों के साथ पकड़ लिया गया ।अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस तरह का विस्फोटक-आधारित शिकार वन्यजीवों और जंगल की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध उपकरणों का इस्तेमाल करके शिकार करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गिरज़्तार व्यक्ति को आगे की जांच के

लिए पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया गया है। वन विभाग ने ऐसी घटनाओं को रोकने और संरक्षित जंगलों की जैव विविधता की रक्षा के लिए क्षेत्र में सतर्कता पर जोर दिया। हालांकि, इस संबंध में छापा मारने वाली टीम से कोई टिप्पणी नहीं मिली। गौरतलब है कि, इससे पहले एक और घटना में और तकनीक-सहायता प्राप्त वन्यजीव संरक्षण में एक बड़ी सफलता के रूप में, बालासोर जिले के कुलडीहा जंगल में लगाए गए,द्ब कैमरों ने पिछले साल 8 दिसंबर को अधिकारियों को दो शिकारियों को रंगे हाथों पकड़ने में मदद की थी। आरोपी जंगल में शिकार करने की कोशिश कर रहे थे और अपने हथियारों को पास में छिपा रहे थे, तभी कैमरे ने उनकी गतिविधियों को कैद कर लिया। ऑपरेशन के दौरान, अधिकारियों ने एक हथियार, एक धनुष और तीर, और शिकार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई जाल जज़्त किए। कुलडीहा वन रेंजर सुब्रत बेहरा ने बताया था कि गिरज़्तार शिकारियों की पहचान जिले के जोडाचुआ बीट क्षेत्र के निवासियों के रूप में हुई है। यह घटना ओडिशा में अवैध शिकार पर अंकुश लगाने और वन्यजीवों की रक्षा में,द्ब और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है। नए शामिल हुए ष्ठस्नह्र काफी सक्रिय और सुरक्षा-उन्मुख हैं। उनके पर्यवेक्षण में, हमने कल रात जंगल में,द्ब कैमरे लगाए। वीडियो फुटेज के आधार पर, हमने आज दो आरोपियों को गिरज़्तार किया।

मच्छरों के प्रकोप से बेहाल प्लांट साइट अंचलवासी

राउरकेला १०/०१ (संवाददाता):इन दिनों राउरकेला महानगर निगम ;आरएमसीद्ध की उदासीनता का फायदा विकास कार्य करने वाले ठेकेदार उठा रहे हैं। जिसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ठेकेदारों की मनमानी और आरएमसी के अधिकारियों की उदासीनता का ही नतीजा है कि शहर भर में नाली नालों की साफ सफाई का काम आधा.अधूरा पड़ा है। इसका जीता जागता उदाहरण प्लांट साइट थाना के ठीक सामने विगत 6 माह पूर्व आरएमसी की ओर से निजी ठेकेदार को प्लांट साइट शिव मंदिर से लेकर थाना के आगे तक नाली निर्माण का कार्यबनाने का काम दिया गया। ठेकेदार द्वारा आधे में ही नाली का काम रोक देने और उसमें गंदगी जमा होने से उक्त मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों लोग सहित आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाली की बदबू बगल में स्थित थाना तक जाने से पुलिसकर्मी भी 24 घंटे परेशान होते हैं।

पारादीप नेहरु बंगला पार्क में प्लास्टिक मुक्त पिकनिक स्पॉट चुनौतियां २०२५ पर पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

पारादीप १०/०१ (संवाददाता): नेहरू बंगला पार्क, पारादीप में ओएसपीसीबी, पारादीप द्वारा ईफको, पारादीप के सहयोग से प्लास्टिक मुक्त पिकनिक स्पॉट चुनौतियाँ 2025 पर एक पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यक कार्यक्रम क्षेत्रीय अधिकारी, एसपीसीबी, पारादीप श्री पुष्कर चंद्र बेहरा के नेतृत्व में श्री प्रदीप कुमार मोहपात्रा, यूनिट हेड, ईफको, पारादीप और ईफको, पारादीप के अन्य अधिकारियों के साथ आयोजित किया गया। श्री बसंत कुमार बिस्वाल, अध्यक्ष पारादीप नगर पालिका, पारादीप नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान वहाँ मौजूद लोगों से पिकनिक स्पॉट पर सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) के इस्तेमाल से बचने का अनुरोध किया गया। पिकनिक क्षेत्र में पिकनिक करते समय बायोडिग्रेडेबल वैकल्पिक एसयूपी जैसे कागज और लकड़ी के कटलरी, पत्ते से बनी प्लेटें और दोबारा इस्तेमाल होने वाले विकल्प जैसे धातु और कांच के कंटेनर का उपयोग करने का अनुरोध किया गया। हवा, पानी और जमीन के पर्यावरण में प्लास्टिक प्रदूषण की प्रक्रिया को समझाया गया। मंच पर मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा जागरूकता संदेश दिए गए। कार्यक्रम का आयोजन एंट्री गेट जोन और स्पॉट के अन्य रणनीतिक स्थानों पर SUP मुक्त पिकनिक स्पॉट के अनुरोध के साथ करेंध्न करें पोस्टर लगाकर किया गया। पिकनिक स्पॉट पर थीम वाले बैनर लगाए गए। थीम आधारित सेल्फी जोन स्थापित किया गया।

लगातार घोषणा करके और थीम आधारित बैनर के साथ पूरे स्पॉट पर घूमकर लोगों को जागरूक किया गया। पिकनिक स्पॉट पर इस्तेमाल किए जाने वाले एसयूपी के विकल्पों जैसे मिट्टी के बर्तन, स्टील और कांच के कंटेनर और कटलरी और कागज की प्लेटें और पत्ते से बनी प्लेटें दिखाकर। अंत में, कार्यक्रम का समापन पिकनिक स्पॉट की सुंदरता को प्लास्टिक मुक्त दृष्टिकोण से बनाए रखने और कचरे के अलग-अलग संग्रह और पिकनिक के अंत में नगर पालिका वाहन द्वारा उसके निपटान के अनुरोध के साथ, और सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) मुक्त पिकनिक स्पॉट की प्रतिज्ञा के साथ किया गया।

आरएसपी की प्रयोग सेफ्टी सर्कल टीम ने एनसीज़्यूसी-2025, में प्रतिष्ठित पार उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार जीता

राउरकेला १०/०१ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के कोयला रसायन विभाग की %प्रयोग% सुरक्षा सर्कल टीम ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गुणवज़ा अवधारणाओं पर सज़्मेलन (एनसीज़्यूसी) 2025 में पार उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार जीतकर कंपनी के लिए ज़्याति अर्जित की है।

टीम ने अमोनियम सल्फेट प्लांट क्षेत्र में कोक ओवन गैस सील पॉट में अभिनव और प्रभावशाली सुरक्षा सुधारों की एक श्रृंखला को लागू करने के लिए यह मान्यता अर्जित की। परियोजना की सफलता निरंतर सुधार के लिए आरएसपी की गहरी

प्रतिबद्धता को दर्शाती है, अपने कर्मचारियों से नए विचारों को प्रोत्साहित करती है, और कार्यस्थल की सुरक्षा को सबसे आगे रखती है।

सुरक्षा उपायों को और मज़बूत करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर सीओ मॉनिटर स्थापित किए गए थे और नियंत्रण कक्ष से समानांतर जुड़े हुए थे जो गैस रिसाव का पता लगाते थे। असामान्य गैस के स्तर के मामले में ऑपरेटरों को सतर्क करने के लिए नियंत्रण कक्ष में एक बजर और ज़्लैशर प्रणाली पेश की गई थी। टीम ने डिवीज़न 1 वर्गीकृत अग्नि क्षेत्र में स्थित बेंजोल स्क्रबर का एक व्यापक ओवरहाल भी किया।

इससे पहले, टीम प्रयोग ने सीसीज़्यूसी भिलाई चैप्टर में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया था, जिसने उन्हें राष्ट्रीय सज़्मेलन के लिए अर्हता प्राप्त की थी।

यह पहल महाप्रबंधक प्रभारी (सीसीडी), श्री बिनोद तिवारी और महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग), सेज़्टी सर्कल के समन्वयक, श्री अबकास बेहेरा के मार्गदर्शन में की गई थी जिनके नेतृत्व और समर्थन ने सुरक्षा नवाचार के लिए टीम के दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पुरस्कार विजेता टीम में जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट, श्री सस्वत कुमार साहू, इंजीनियरिंग एसोसिएट, श्री सत्यजीत हेमब्रम, इंजीनियरिंग एसोसिएट, श्री श्याम सुंदर हंसदाह, और जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट, श्री अभिजीत प्रजापति, मेसर्स एस के सिंह कंस्ट्रज़्शन के संविदात्मक पर्यवेक्षक, श्री मनोज मोहंती भी शामिल थे। वरिष्ठ प्रबंधक (सीसीडी-संचालन), श्री अनिरुधा हिकोका इस समूह के सूत्रधार थे।

केंद्रपाड़ा में ज़मीन विवाद में हिंसा, 1 की मौत, 2 घायल

केंद्रपाड़ा १०/०१ (संवाददाता): सदर पुलिस स्टेशन के तहत नरिलो गांव में ज़मीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान उपेंद्र ओझा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना ज़मीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद के परिवार के अंदर शारीरिक हिंसा में बदलने के बाद हुई। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम को तनाव फिर से बढ़ गया जब राजकिशोर ओझा ने कथित तौर पर अपने भतीजे उपेंद्र से विवाद को लेकर बहस की। यह कहा-सुनी धीरे-धीरे बढ़ गई और आखिरकार हिंसक टकराव में बदल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजकिशोर ओझा ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ मिलकर कथित तौर पर कई हथियारों का इस्तेमाल करके उपेंद्र पर हमला किया। हमले के दौरान, राजकिशोर ने कथित तौर पर उपेंद्र पर लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। हमले में उपेंद्र के माता-पिता, संजुक्ता और सरोज कांता भी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, मेडिकल इलाज के बावजूद, उपेंद्र ने उसी रात अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।